

जर्मेन जैक्सन, संयुक्त राज्य अमेरिका (2 का भाग 1)

रेटिंग:

विवरण:

1

श्रेणी: [लेख नए मुसलमानों की कहानियां व्यक्तित्व](#)

द्वारा: Jermaine Jackson (edited by www.IslamReligion.com)

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

कब और कैसे अपने इस्लाम की अपनी यात्रा शुरू की?

यह 1989 की बात है जब मैंने अपनी बहन के साथ मध्य पूर्व के कुछ देशों का दौरा किया था। बहरीन में प्रवास के दौरान हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वहाँ मैं कुछ बच्चों से मिला और उनके साथ हल्की-फुल्की बातचीत की। मैंने उनसे कुछ सवाल किए और उन्होंने अपने मासूम सवाल मुझ से पूछे। इस बातचीत के दौरान उन्होंने मेरे धर्म के बारे में पूछा। मैंने उनसे कहा, "मैं एक ईसाई हूँ।" मैंने उनसे पूछा कि उनका धर्म क्या है। उनमें शांति की लहर दौड़ गई। उन्होंने एक स्वर में उत्तर दिया: इस्लाम। उनके उत्साही जवाब ने मुझे अंदर से झकझोर कर रख दिया। और फिर उन्होंने मुझे इस्लाम की शिक्षा देनी शुरू कर दी। वे मुझे अपनी उम्र के हिसाब से बहुत कुछ जानकारी दे रहे थे। उनकी आवाज़ से पता चलता था कि उन्हें इस्लाम पर बहुत गर्व था। इस तरह मैं इस्लाम की ओर बढ़ा।



बच्चों के एक समूह के साथ एक बहुत ही छोटी बातचीत ने अंततः मुझे मुस्लिम विद्वानों के साथ इस्लाम के बारे में लंबी बातचीत करने के लिए प्रेरित किया। मेरे विचार में एक बड़ी लहर आ गई थी। मैंने अपने आप को सांत्वना देने का असफल प्रयास किया कि कुछ भी नहीं हुआ था, लेकिन मैं इस तथ्य

को अपने आप से अब और नहीं छपिा सकता था कि मैंने दलि से इस्लाम को स्वीकार कर लिया था। इसका खुलासा मैंने सबसे पहले अपने पारिवारिक मतिर कुनबेर अली को कयिा। वही कुनबेर अली मुझे सऊदी अरब की राजधानी रयिाद ले गया। उस समय तक मुझे इस्लाम के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। वहाँ से, एक सऊदी परिवार के साथ, मैं "उमराह" [मक्का के लिए की जाने वाली एक कम प्रकार की तीर्थयात्रा] करने के लिए मक्का के लिए रवाना हुआ। वहाँ मैंने पहली बार सार्वजनिक कयिा कि मैं मुसलमान हो गया हूँ।

आपके मुसलमान होने की घोषणा करने के बाद आपकी भावनाएँ क्या थीं?

इस्लाम धर्म अपनाने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा नया जन्म हुआ है। मुझे इस्लाम में उन सवालों के जवाब मिले जो मैं ईसाई धर्म में नहीं ढूँढ पाया था। विशेष रूप से, यह केवल इस्लाम था जसिने ईसा मसीह के जन्म से संबंधित प्रश्न का संतोषजनक उत्तर दिया। पहली बार मुझे खुद धर्म का यकीन हुआ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि मेरे परिवार के सदस्य इन तथ्यों की सराहना करें। मेरा परिवार ईसाई धर्म के उस पंथ का अनुयायी है, जसिँ यहोवा के साक्षी के रूप में जाना जाता है। इसके मतों के अनुसार, केवल 144,000 इन्सान ही अंततः स्वर्ग में प्रवेश करेंगे। ऐसा कैसे? यह मेरे लिए हमेशा एक हैरान करने वाला पंथ बना रहा। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि बाइबल को इतने सारे लोगों द्वारा संकलित कयिा गया था, विशेष रूप से किंग जेम्स द्वारा लिखित एक खंड के बारे में। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या कोई व्यक्ति एक निर्देशिका संकलित करता है और फिर उसे ईश्वर का बताता है, लेकिन वह इन निर्देशों का पूरी तरह से पालन नहीं करता है। सऊदी अरब में अपने प्रवास के दौरान, मुझे तत्कालीन ब्रिटिश पॉप गायक और वर्तमान मुस्लिम उपदेशक युसूफ इस्लाम (पूर्व में कैट स्टीवंस) की एक कैसेट खरीदने का अवसर मिला है। इससे मैंने भी बहुत कुछ सीखा।

जब आप इस्लाम धर्म अपनाकर अमेरिका वापस आए तब क्या हुआ?

जब मैं अमेरिका लौटा तो अमेरिकी मीडिया ने इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ जघन्य दुष्प्रचार कयिा। मेरे बारे में अफवाह फैल गई जसिने वास्तव में मेरे मन की शांति को भंग कर दिया। हॉलीवुड मुसलमानों को बदनाम करने पर आमादा था। उन्हें आतंकवादी के रूप में पेश कयिा जा रहा था। ऐसी कई चीजें हैं जहां ईसाई धर्म और इस्लाम के बीच आम सहमति है, और कुरान पवित्र मसीह को एक गुणी पैगंबर के रूप में प्रस्तुत करता है। फिर, मैंने सोचा, ईसाई अमेरिका के मुसलमानों के खिलाफ बेबुनियाद आरोप क्यों लगाते हैं?

इसने मुझे उदास कर दिया। मैंने अपना मन बना लिया कि मैं अमेरिकी मीडिया द्वारा पेश की गई मुसलमानों की गलत छवि को दूर करने की पूरी कोशिश करूंगा। मुझे इस बात का जरा सा भी अंदाजा

नहीं था कि अमेरिकी मीडिया मेरे इस्लाम स्वीकार करने की खबर को पचा नहीं पाएगा और इतना बड़ा शोर-शराबा करेगा। यह वस्तुतः अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अंतरात्मा की स्वतंत्रता के बारे में अपने सभी लंबे और बहुप्रचारित दावों के खिलाफ काम कर रहा था। तो अमेरिकी समाज का पाखंड तक आ गया था और मेरे सामने बेनकाब हो गया। इस्लाम ने मेरे लिए कई जटिलताओं का पता लगाया। वास्तव में, मैं अपने आप को एक पूर्ण इंसान के रूप में, शब्द के शाब्दिक अर्थों में सोचने लगा। मुस्लिम बनने के बाद मैंने अपने अंदर एक जबरदस्त बदलाव महसूस किया। मैंने इस्लाम में नषिदिह सभी चीजों को त्याग दिया। इससे मेरे परिवार के लिए भी मुश्किल हो गई। संक्षेप में, जैक्सन परिवार पूरी तरह से टूट गया। धमकी भरे पत्र आने लगे, जिससे मेरे परिवार की चिंता और बढ़ गई।

कसि तरह की धमकियां?

उन्होंने मुझसे कहा कि मैंने इस्लाम अपना के अमेरिकी समाज और संस्कृति की दुश्मनी को बढ़ावा दिया है, और आपने खुद को दूसरों के साथ रहने के अधिकार से वंचित कर दिया है। हम अमेरिका में आपके लिए जीवन को असह्य बना देंगे, इत्यादि। लेकिन मैं स्वीकार करता हूँ कि मेरा परिवार व्यापक सोच वाला है। हमने सभी धर्मों का सम्मान किया है। हमारे माता-पिता ने हमें इसी तरह से प्रशिक्षित और तैयार किया है। इसलिए, मैं कह सकता हूँ कि जैक्सन परिवार के लगभग सभी धर्मों के लोगों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यह उस प्रशिक्षण का ही परिणाम है जो अब तक मुझे उनके द्वारा दिया गया था।

आपके भाई माइकल जैक्सन की क्या प्रतिक्रिया थी?

अमेरिका वापस आते समय, मैं सऊदी अरब से कई कतिबे लाया। माइकल जैक्सन ने खुद मुझसे इनमें से कुछ कतिबे अध्ययन के लिए मांगीं। इससे पहले, उनकी राय इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ अमेरिकी मीडिया के प्रचार से प्रभावित थी। वह इस्लाम के वरिधी नहीं थे, लेकिन मुसलमानों के प्रति उनका व्यवहार भी अनुकूल नहीं था। लेकिन इन कतिबों को पढ़ने के बाद वे चुप रहते और मुसलमानों के खिलाफ कुछ नहीं कहते। मुझे लगता है कि शायद यह इस्लाम के अध्ययन का प्रभाव है कि उन्होंने अपने व्यापारिक हितों को मुस्लिम व्यापारियों की ओर मोड़ दिया। अब, सऊदी अरबपति राजकुमार अल-वलीद इब्न तलाल के साथ उनकी बहु-राष्ट्रीय कंपनी में उनके बराबर के शेयर हैं।

पहले कहा गया था कि माइकल जैक्सन मुसलमानों के खिलाफ थे, फिर अफवाहें उड़ी की वो मुसलमान बन गए थे। असली कहानी क्या है?

मैं इस बात की गवाही देता हूँ, कम से कम मेरी जानकारी में ऐसा कुछ भी नहीं था कि माइकल जैक्सन ने कभी मुसलमानों के खिलाफ अपमानजनक बात कही हो। उनके गीत भी दूसरों के लिए प्यार का संदेश

देते हैं। हमने अपने माता-पति से दूसरों से प्यार करना सीखा है। सर्फ वही लोग जो किसी चीज के बारे में स्वयं एक मजबूत व्यक्तिगत राय रखते हैं, उन पर आरोप लगाते हैं। जब मैं मुसलमान बन गया तो मेरे खिलाफ बुरा बवाल हुआ था, तो माइकल जैक्सन के खिलाफ ऐसा क्यों नहीं हो सकता? लेकिन, अब तक मीडिया ने उनकी तीखी आलोचना नहीं की है, हालाँकि उन्हें इस्लाम के कुछ हद तक करीब आने के लिए धमकी दी जाती है। लेकिन कौन जानता है कियह कैसा दखिगा जब माइकल जैक्सन इस्लाम अपनाएंगे।

इस लेख का वेब पता:

<https://www.islamreligion.com/hi/articles/90>

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।